## बनास नदी :→

वन की आशा वर्णाशा, विशिष्ठी नदी

उद्गम → बैरो की मठ खमनौर पहाड़ी, कुम्भलगढ़ (राजसमंद)

कुल लम्बाई → 512 किलोमीटर

कुल लम्बाई - H.M. सक्सेना के अनुसार - 480 किलोमीटर

→ बनास नदी पूर्ण रूप से राजस्थान मे बहने वाली सबसे लम्बी नदी है।

→ यह नदी राजसमंद, चितौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर

कुल 6 जिलो मे बहती है।

राजसमंद → भगोरी का नाला बाँध, गिलूण्ड सभ्यता, नन्द समंद बाँध

चित्तौड़गढ़ → मातृ कुण्डिया बाँध

भीलवाड़ा → बनास - बेड़च - मेनाल का त्रिवेणी संगम

टोंक → राजमहल - बनास - डाई - खारी का त्रिवेणी संगम

→ देवधाम - बनास - बांडी - मासी का त्रिवेणी संगम

→ बिसलपुर बाँध - राज्य की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना

→ बनास नदी का आकार सर्पाकार

सवाई माधोपुर → ईसरदा बाँध

→ यह नदी सवाई माधोपुर के रामेश्वरम धाम से चंबल नदी मे मिल जाती है।

→ <u>सहायक नदियां</u> बेड़च, मेनाल, मानसी, मोरेल, ढूंढ, डाई, खारी, सोहाड़ा, बालगंगा

दांयी तरफ से मिलने वाली नदी → बेड़च, मेनाल

## आयड़ | बेड़च नदी :→

उद्गम - गोगुन्दा (उदयपुर)

गोगुन्दा से आयड़ के नाम से निकलती है व उदयसागर झील मे गिरकर निकलने के बाद नाम बेड़च हो जाता है।

भीलवाड़ा के बिगोद से बनास नदी मे मिल जाती है।

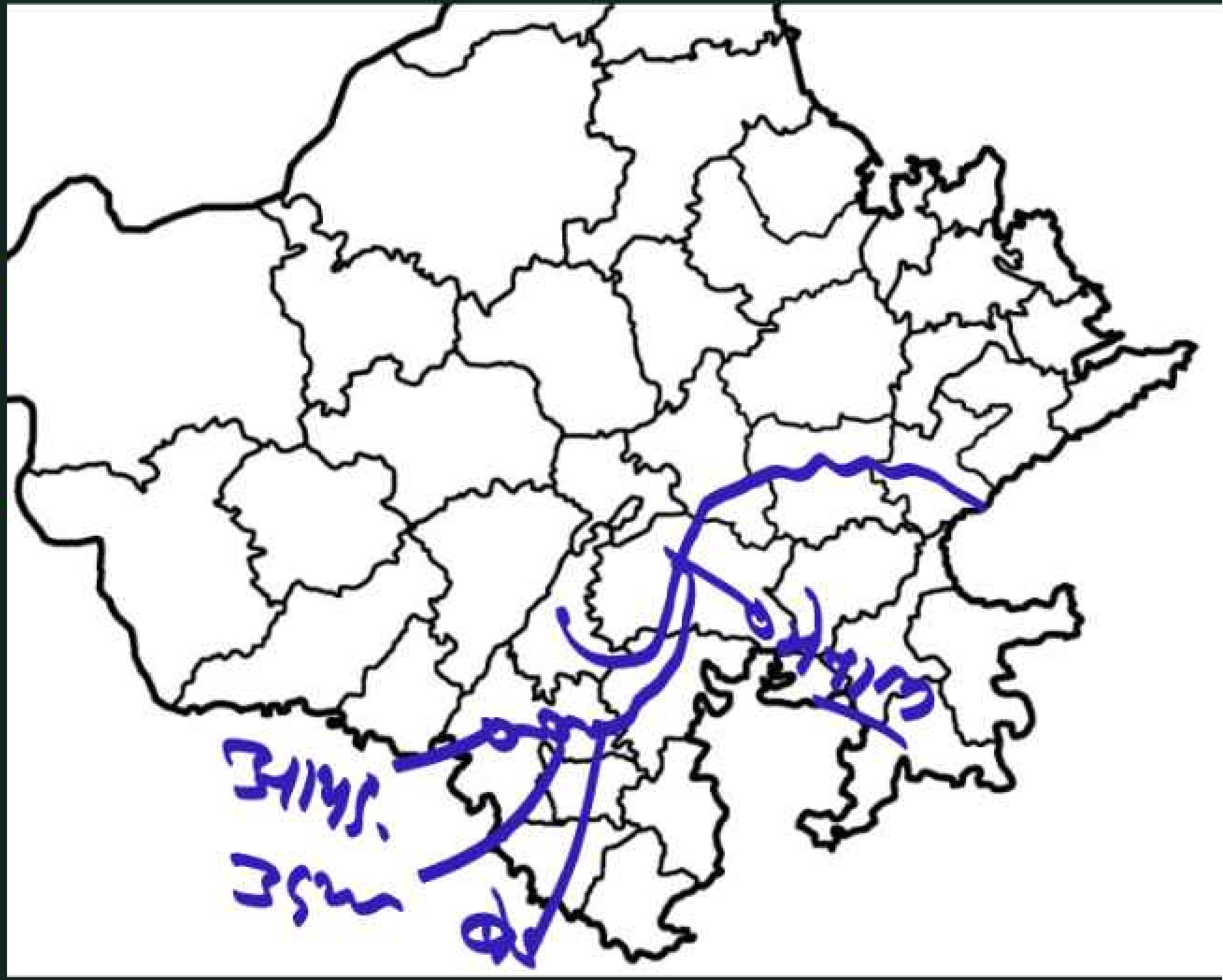


उदयपुर → आयड़ नदी - आहड़ सभ्यता
↳ बेड़च नदी → बालाथल सभ्यता

चित्तौड़गढ़ → नगरी सभ्यता, घोसुण्डा बांध

**मेनाल नदी** → उद्गम - मेनाल पर्वत (भीलवाड़ा)
बनास नदी मे मिल जाती है भीलवाड़ा मे।

**खारी नदी** :- बिजराल पहाड़ी (राजसमंद)
राजसमंद, भीलवाड़ा, टोंक मे बहते हुए बनास नदी मे मिलती है।

**डाई नदी** → नसीराबाद (अजमेर)
अजमेर व टोंक मे बहते हुए बनास नदी मे मिल जाती है।

→ **बांडी नदी**
आलमनोद - सामोद (जयपुर)
जयपुर - टोंक बनास नदी मे मिलती है।

→ **मानसी नदी** :→ सिलौरा - किशनगढ़ (अजमेर)
अजमेर - टोंक - बनास नदी मे मिलती है।

→ **कोठारी नदी** :→ दिवेर (राजसमंद)
राजसमंद - भीलवाड़ा बनास नदी मे मिलती है।

# भीलवाड़ा मे इस नदी पर बागौर सभ्यता व मेजा बांध बना है।
↳ राज्य का ग्रीन माऊन्टेन

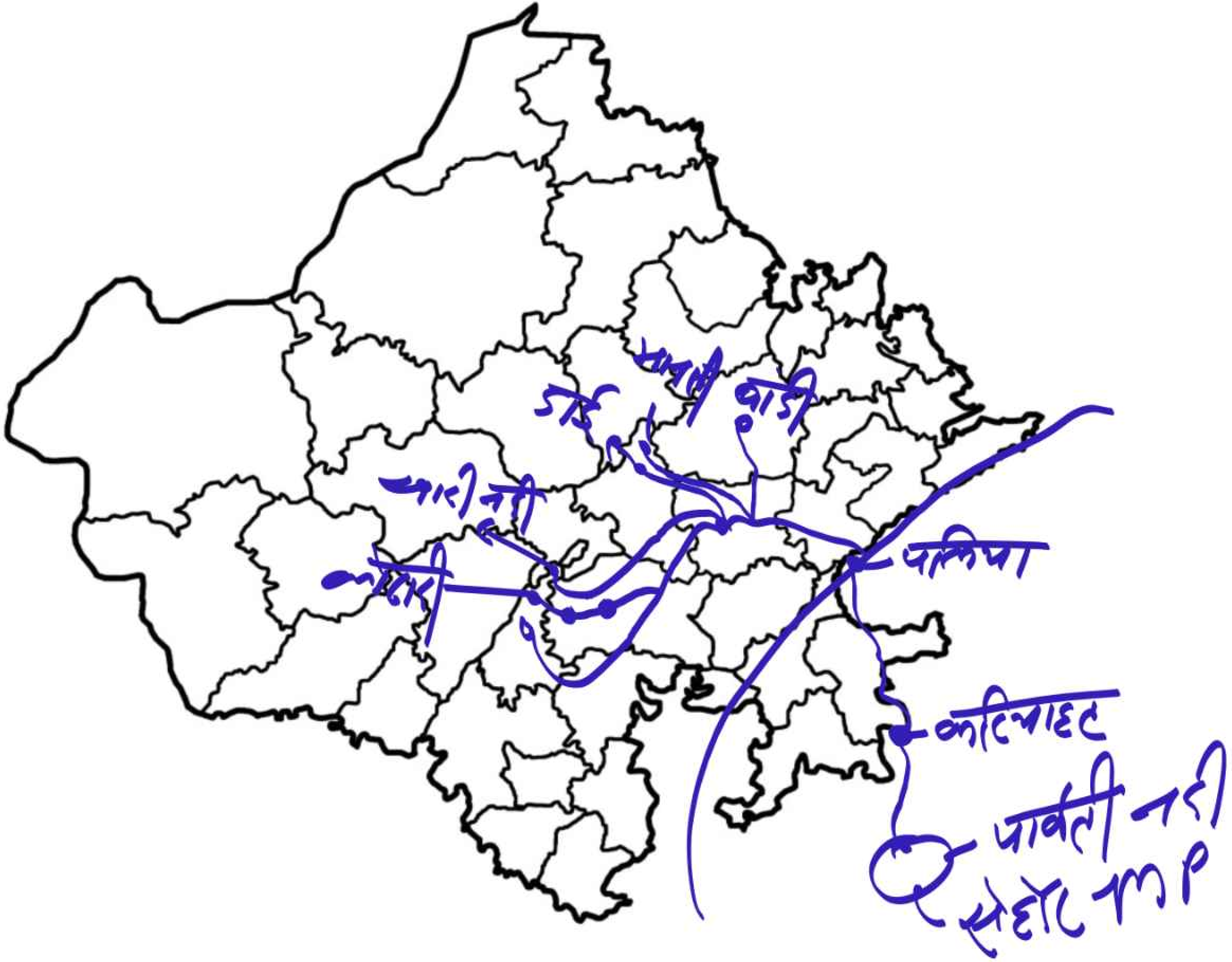

डाई
मासी
बाडी
खारी नदी
कोठारी
पालिया
करियाहट
पार्वती नदी
सेहोर MP

**पार्वती नदी** :- उद्गम → सेहोर (मध्य प्रदेश)

यह नदी करियाहट (बारां) से राजस्थान मे प्रवेश करती है व सवाई माधोपुर के पालिया नामक स्थान से चंबल नदी मे मिल जाती है।

यह नदी राजस्थान व मध्य प्रदेश के साथ दो बार सीमा बनाती है।

सहायक **नदी** → ल्हासी, बरनी, बैथली, अहेरी, अंधेरी

→ **कालीसिन्ध नदी** ⇒ बागली पहाड़ी, देवास (MP)

## चन्द्रभागा नदी

- इसे हाड़ौती की गंगा कहते हैं।
- उद्गम → सेमली (झालावाड़)

## गम्भीर नदी :→ नादौती (करौली)

- इस नदी के पास पाँच नदियों का जल रोककर राज्य का पूर्णतया मिट्टी से निर्मित पाँचना बाँध अमेरिका के सहयोग से बनाया गया है।

**पाँच नदी** → भैंसावट, बरखेड़ा, अट्टा, भद्रावती, माची

→ **बाणगंगा नदी :-** उपनाम - अर्जुन की गंगा, खंडित नदी, ताला नदी।

↳ उद्गम - बैराठ की पहाड़ी - कोटपूतली बहरोड़ व जयपुर

यह नदी - जयपुर - दौसा - भरतपुर मे बहते हुए यमुना नदी मे मिलती है।

→ **द्रव्यवती नदी :-** उपनाम - अमानीशाह नाला

↳ उद्गम → नाहरगढ़ (जयपुर)

यह जयपुर शहर के बीचो बीच बहती है।

## → प्रमुख जल प्रपात

| | जल प्रपात | नदी | जिला |
|---|---|---|---|
| ① | धुलिया | चंबल | चित्तौड़गढ़ |
| | मैनाल | मैनाल | भीलवाड़ा |
| | दीर | काकुन्द | भरतपुर |
| | दमोह | बांडी | धोलपुर |
| | भील बेरी | बांडी | पाली - राजसमंद (राज्य का सबसे ऊँचा जल प्रपात) |

लवकुश - सीता माता अभ्यारण्य

अरणा जल प्रपात - कृत्रिम जल प्रपात (जोधपुर

# त्रिवेणी संगम → 5

1. माही - सोम - जाखम → नवाटापुरा - बेणेश्वर (डूंगरपुर)
2. चंबल - बनास - सीप → रामेश्वरम (सवाई माधोपुर)
3. बनास - बेड़च - मेनाल → बिगोद (भीलवाड़ा)
4. बनास - डाई - खारी → राजमहल (टोंक)
5. बनास - बांडी - मानसी → देवधाम जोधपुरिया (टोंक)